www.railsamacharbureauald.com

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

"वंदे भारत से लेकर बुलेट ट्रेन तक - भारतीय रेलवे तकनीक और नवाचार के साथ भविष्य की ओर अग्रसर है।"

"पटरी पर दौड़ती भारतीय रेल, नए भारत की प्रगति और निरंतर विकास की कहानी कह रही है।"

वर्ष-35 अंक:22 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 16-30 नंवबर 2025 पृष्ठ 08, मूल्य:20 रु. मात्र. डाक खर्च (रंगीन सहित)

वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत जैसी ट्रेनें भारतीय रेलवे की अगली पीढ़ी की नींव रख रही हैं: प्रधानमंत्री

वाराणसी से चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरुआत

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारत के आधुनिक रेल बुनियादी ढांचे के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले से चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, श्री मोदी ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और बाबा विश्वनाथ की पावन नगरी वाराणसी के सभी परिवारों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देव दीपावली के दौरान मनाए गए असाधारण उत्सवों का जिक्र किया और कहा कि आज का दिन भी एक शुभ अवसर है। उन्होंने विकास के इस उत्सव के लिए सभी को शुभकामनाएं दीं।

यह देखते हुए कि दुनिया के विकसित देशों में, आर्थिक विकास का एक प्रमुख चालक मजबूत बुनियादी ढांचा रहा है, श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जिन भी देशों ने महत्वपूर्ण प्रगति और विकास हासिल किया है, वहां बुनियादी ढांचे की उन्नति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि भारत भी इस मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस संदर्भ में, प्रधानमंत्री ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में नई वंदे भारत रेलगाड़ियां शुरू करने की घोषणा की। बनारस-खजुराहो वंदे भारत के अलावा, उन्होंने फिरोजपुर-दिल्ली वंदे भारत, लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत और एर्नाकुलम-बैंगलुरु वंदे भारत को भी हरी झंडी दिखाई। इन चार नई ट्रेनों के साथ, देश में चालू वंदे भारत ट्रेनों की कुल संख्या अब 160 से अधिक हो गई है। प्रधानमंत्री ने इन ट्रेनों के शुभारंभ पर वाराणसी और देश के सभी नागरिकों को बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि यह भारतीय रेलवे को बदलने का एक व्यापक अभियान है, "वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत जैसी ट्रेनें भारतीय रेलवे की अगली पीढ़ी की नींव रख रही हैं"। उन्होंने वंदे भारत को भारतीयों द्वारा, भारतीयों के लिए और भारतीयों की बनाई गई ट्रेन बताया, जो हर भारतीय को गर्व से भर देती है। उन्होंने कहा कि विदेशी यात्री भी वंदे भारत को देखकर चकित रह जाते हैं। श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत ने एक विकसित भारत के लिए अपने संसाधनों को बढ़ाने के अभियान की शुरुआत की है और ये ट्रेनें उस यात्रा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करने के लिए तैयार हैं।

इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि भारत में सदियों से तीर्थयात्रा को राष्ट्रीय चेतना का माध्यम माना जाता रहा है, श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि ये यात्रएँ केवल दिव्य दर्शन के मार्ग नहीं हैं, बल्कि पवित्र परंपराएँ हैं जो भारत की आत्मा से जुड़ती हैं। उन्होंने प्रयागराज, अयोध्या, हरिद्वार, चित्रकूट और कुरुक्षेत्र को राष्ट्र की विरासत के आध्यात्मिक केन्द्र बताया। प्रधानमंत्री ने कहा, "ये पवित्र स्थल अब वंदे भारत नेटवर्क के माध्यम से जुड़ रहे हैंय यह भारत की संसेंति, आस्था और विकास यात्र के संगम का प्रतीक है। यह विरासत शहरों को राष्ट्रीय प्रगति के प्रतीक के रूप में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।"

भारत में तीर्थयात्र के अक्सर अनदेखे आर्थिक पहलू पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में उत्तर प्रदेश में विकासात्मक पहलों ने तीर्थयात्रा को एक नए स्तर पर पहुँचाया है। पिछले वर्ष ही, 11 करोड़ श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए वाराणसी आए थे। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद से, 6 करोड़ से ज़्यादा लोग रामलला के दर्शन कर चुके हैं। श्री मोदी ने कहा कि इन तीर्थयात्रियों ने उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में हजारों करोड़ रुपये का योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि इस आमद ने राज्य भर के होटलों, व्यापारियों, परिवहन कंपनियों, स्थानीय कलाकारों और नाव संचालकों को निरंतर आय के अवसर प्रदान किए हैं। परिणामस्वरूप, वाराणसी में सैकड़ों युवा अब परिवहन सेवाओं से लेकर बनारसी साड़ी के व्यवसाय तक, नए उद्यम शुरू कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस विकास ने उत्तर प्रदेश और वाराणसी में समृद्धि के द्वार खोले हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित वाराणसी के माध्यम से विकसित भारत के मंत्र को साकार करने के लिए, शहर में निरंतर बुनियादी ढाँचे का विकास हो रहा है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि वाराणसी में गुणवत्तापूर्ण अस्पतालों, बेहतर सड़कों, गैस पाइपलाइन नेटवर्क और इंटरनेट कनेक्टिविटी की स्थापना, विस्तार और गुणात्मक सुधार हो रहा है। उन्होंने बताया कि रोपवे परियोजना पर तेजी से प्रगति हो रही है और गंजारी व सिगरा स्टेडियम जैसे खेल बुनियादी ढाँचे भी स्थापित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि हमारा लक्ष्य बनारस की यात्रा, वहाँ रहना और उसे अनुभव करना सभी के लिए एक विशेष अनुभव बनाना है।

यह उल्लेख करते हुए कि सरकार वाराणसी में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है, श्री मोदी ने 10-11 साल पहले की स्थिति को याद किया। उन्होंने कहा कि गंभीर बीमारियों के लिए बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) ही एकमात्र विकल्प था और मरीजों की अत्यधिक संख्या के कारण, कई लोग रात भर इंतजार करने के बाद भी इलाज नहीं करा पाते थे। कैंसर जैसी बीमारियों के लिए लोगों को मुंबई में इलाज कराने के लिए अपनी जमीन और खेत बेचने पड़ते थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने इन चिंताओं को कम करने के लिए काम किया है। उन्होंने कैंसर के इलाज के लिए महामना कैंसर अस्पताल, आँखों की देखभाल के लिए शंकर नेत्रालय, बीएचयू में उन्नत ट्रॉमा सेंटर और शताब्दी अस्पताल, और पांडेयपुर स्थित संभागीय अस्पताल को ऐसे संस्थानों के रूप में सूचीबद्ध किया जो वाराणसी, पूर्वांचल और पड़ोसी राज्यों के लिए वरदान बन गए हैं। उन्होंने कहा कि इन अस्पतालों में आयुष्मान भारत और जन औषधि केन्द्रों के कारण लाखों गरीब मरीज करोड़ों रुपये बचा रहे हैं। इससे न केवल लोगों की चिंता कम हुई है, बल्कि वाराणसी को पूरे क्षेत्र की स्वास्थ्य राजधानी के रूप में भी जाना जाने लगा है।

वाराणसी के विकास की गति और ऊर्जा को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए, ताकि शहर की भव्यता और समृद्धि तेजी से बढ़ती रहे, श्री मोदी ने इस कल्पना के साथ समापन किया कि दुनिया भर से आने वाले प्रत्येक आगंतुक को बाबा विश्वनाथ की पवित्र नगरी में एक अनोखी ऊर्जा, उत्साह और आनंद का अनुभव होना चाहिए।

श्री मोदी ने ध्वजारोहण समारोह में उपस्थित छात्रों से मुलाकात का भी जिक्र किया। उन्होंने वंदे भारत ट्रेनों के शुभारंभ के दौरान छात्रों के बीच प्रतियोगिता आयोजित करने की परंपरा शुरू करने के लिए श्री अश्विनी वैष्णव की प्रशंसा की। उन्होंने प्रतियोगिता में प्रस्तुत चित्रों और कविताओं के लिए बच्चों की सराहना की, जो विकसित भारत, विकसित काशी, सुरक्षित भारत जैसे विभिन्न विषयों पर आधारित थीं। उन्होंने उनके माता-पिता और शिक्षकों द्वारा दिए गए समर्थन, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए उनकी भी सराहना की। प्रधानमंत्री ने भविष्य में एक बाल साहित्य सम्मेलन आयोजित करने का विचार रखा और 8-10 विजेताओं को देश भर में अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए ले जाया जा सकता है। उन्होंने वाराणसी से सांसद होने पर गर्व व्यक्त किया, जहाँ इतने प्रतिभाशाली बच्चे हैं और उन्हें बधाई दी।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। केरल के राज्यपाल श्री राजेन्द्र आर्लेकर, केन्द्रीय मंत्री श्री सुरेश गोपी, श्री जॉर्ज कुरियन, श्री रवनीत सिंह बिट्टू और अन्य गणमान्य व्यक्ति वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस कार्यक्रम से जुड़े।

Scanned with OKEN Scanner

रेलवे बोर्ड ने रेलगाड़ियों के कचरे के व्यवस्थित प्रबंधन और निपटान के लिए क्षेत्रीय रेलों को विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए

रेलवे बोर्ड ने ओबीएचएस और पेंट्री कार लाइसेंसधारियों के लिए जारी किए सख्त दिशानिर्देश, जिनका अनुपालन अनिवार्य और उल्लंघन करने पर सेवा समाप्ति संभव

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे बोर्ड ने सभी क्षेत्रीय रेलों को यात्रा के दौरान ट्रेनों से निकलने वाले कचरे के व्यवस्थित प्रबंधन और निपटान के संबंध में विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का उद्देश्य स्वच्छता को बढ़ावा देना और यात्रियों के लिए एक यात्रा का सुखद अनुभव सुनिश्चित करना है।

इन निर्देशों में एक ऐसी व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया है जिसके तहत ऑन-बोर्ड हाउसकीपिंग सेवा (ओबीएचएस) और पेंट्री कार के कर्मचारियों को यात्री डिब्बों से कचरा एकत्र करने और मार्ग में निर्दिष्ट स्टेशनों पर सीलबंद थैलों में उसका निपटान करने का निर्देश दिया गया है। यह प्रणाली ट्रेन के अंदरूनी हिस्सों और रेलवे के बुनियादी ढांचे, दोनों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए तैयार की गई है।

नए आदेश का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को आरामदायक और सुविधाओं से भरपूर यात्रा प्रदान करने में ऑन-बोर्ड कर्मचारियों की भूमिका सुनिश्चित करना है। डिब्बों और शौचालयों में स्वच्छ और कचरा-मुक्त वातावरण सुनिश्चित करके, ये कर्मचारी यात्रियों के आराम और सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। बोर्ड ने निर्देश दिया है कि इन अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों, जो अधिकतर संविदा पर हैं, को क्षेत्रीय रेलवे द्वारा पर्याप्त प्रशिक्षण और उपकरण प्रदान किए जाने चाहिए ताकि वे सेवा भावना को दर्शाते हुए इन जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से निभा सकें।

इन प्रोटोकॉल का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए, रेलवे बोर्ड ने संबंधित ऑन-बोर्ड कर्मचारियों के साथ तत्काल और व्यापक 'संवाद' कार्यक्रम शुरू करने का निर्देश दिया है। यह जागरूकता कार्यक्रम सभी क्षेत्रीय रेलों के वरिष्ठ पर्यवेक्षकों और वाणिज्यिक एवं यांत्रिक विभागों के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जाएगा। इसका उद्देश्य कर्मचारियों से सीधे जुड़ना, स्वच्छ भारत मिशन में उनकी भूमिका के महत्व को समझाना और उनके सामने आने वाली किसी भी परिचालन संबंधी बाधाओं को समझना है।

व्यापक स्तर के इस अभ्यास को एक महीने के भीतर पूरा करना है, जिससे सभी ट्रेनों को कवर किया जा सके। इसके बाद, मंडलों से प्राप्त फीडबैक को क्षेत्रीय स्तर पर संकलित किया जाएगा और समीक्षा के लिए रेलवे बोर्ड को प्रस्तुत किया जाएगा।

'संवाद' सत्रों में निर्देशात्मक वीडियो दिखाए जाएंगे ताकि ट्रेन में सवार कर्मचारियों को कचरा प्रबंधन की प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने में मदद मिल सके और साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के तहत ट्रेनों और स्टेशनों को साफ-सुथरा रखने की उनकी जिम्मेदारी पर जोर दिया जा सके। कर्मचारियों को कचरा और खानपान संबंधी कचरे के प्रबंधन के लिए जारी निर्देशों के साथ-साथ प्रत्येक ट्रेन के लिए निर्धारित स्टेशनों पर निपटान की प्रक्रियाओं की जानकारी दी जाएगी।

इन सत्रों में ओबीएचएस और पेंट्री कर्मचारियों के सक्रिय और जिम्मेदाराना व्यवहार की जरूरत पर जोर दिया जाएगा, साथ ही अपशिष्ट निपटान के दौरान उनके सामने आने वाली व्यावहारिक बाधाओं को भी स्वीकार किया जाएगा। मंडलों को क्षेत्रीय स्तर पर प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक (पीसीसीएम) और प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (पीसीएमई) के साथ अपनी प्रतिक्रिया साझा करनी होगी। इसके बाद पीसीसीएम इस अभ्यास के पूरा होने के 10 दिनों के भीतर रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक, पर्यटन एवं खानपान कार्यालय को एक समेकित रिपोर्ट संकलित करके प्रस्तुत करेंगे।

बोर्ड के पत्र में एक सख्त अनुपालन व्यवस्था पर भी प्रकाश डाला गया है। ओबीएचएस और पेंट्री कार सेवाओं के लाइसेंसधारियों को इन दिशानिर्देशों के बारे में औपचारिक रूप से परामर्श दिया जाएगा। किसी भी उल्लंघन को अनुबंध का एक बड़ा उल्लंघन माना जाएगा और दोषी पक्षों के खिलाफ अनुबंध समाप्ति की कार्यवाही शुरू की जाएगी।

यह पहल जुलाई 2024 में जारी पूर्व निर्देशों पर आधारित है, जिसमें अनिवार्य मार्ग-निर्धारण प्रणाली की रूपरेखा तैयार की गई थी। इस प्रणाली में कचरा उत्पादन का आकलन करने के लिए अध्ययन करना, निर्दिष्ट स्टेशनों पर निपटाने के लिए कचरे के थैलों की न्यूनतम संख्या निर्धारित करना और प्रभावी निगरानी के लिए इस डेटा को एक केंद्रीकृत प्रबंधन प्रणाली (सीआरआईएस की सीएमएम प्रणाली) में दर्ज करना शामिल था।

'संवाद' के माध्यम से सख्त प्रक्रियात्मक अनुपालन को मानवीय दृष्टिकोण के साथ जोड़कर, भारतीय रेलवे ऑन-बोर्ड आतिथ्य, स्वच्छता और समग्र यात्री यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है।

महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे ने आईआरटीएमटीसी और केंद्रीय आवधिक ओवरहालिंग वर्कशॉप, प्रयागराज का किया निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री नरेश पाल सिंह ने भारतीय रेल ट्रैक मशीन प्रशिक्षण केंद्र, केंद्रीय आवधिक ओवरहालिंग वर्कशॉप (सीपीओएच) प्रयागराज का व्यापक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान, महाप्रबंधक ने केंद्र की प्रशिक्षण गुणवत्ता और संसाधनों की सराहना की। ध्यातव्य है कि यह संस्थान 1984 में स्थापित किया गया था और यह पूरे भारत में एकमात्र ऐसा संस्थान है जो ट्रैक मशीन उपकरणों के संचालन और रखरखाव में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करता है।

श्री सिंह ने विभिन्न ट्रैक मशीन उपकरणों के कट-आउट मॉडल और पारदर्शी मॉडल, उन्नत सिम्युलेटर के साथ-साथ अध्ययन कक्षों (स्टडी रूम) और प्रयोगशालाओं (लैब्स) का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने संस्थान में बनाए गए उच्च मानकों और टीम के समर्पण की सराहना की।

निरीक्षण के दौरान, महाप्रबंधक ने निर्माणाधीन ऑडिटोरियम का भी जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि शेष कार्य को शीघ्रता से पूरा किया जाए।

उन्होंने सीपीओएच वर्कशॉप का भी दौरा किया। प्रयागराज स्थित यह वर्कशॉप भारतीय रेलवे के विभिन्न जोनों की ट्रैक मशीनों का रखरखाव करती है। उन्होंने वहाँ सभी मशीनों को देखा और वहाँ अपनाई जाने वाली रखरखाव प्रक्रियाओं की प्रशंसा की। उन्होंने स्वच्छता के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि वर्कशॉप के फर्श और परिसर में सफाई के स्तर को और बेहतर करते हुए उत्कृष्टता का स्तर हासिल किया जाना चाहिए।

यह दौरा अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं के माध्यम से अपने कार्यबल की तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए उत्तर मध्य रेलवे की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जिससे सुरक्षित और अधिक कुशल रेल परिचालन सुनिश्चित होता है।

"वंदे मातरम" पिछले 150 वर्षों से भारत की चेतना का उद्घोष है: अश्विनी वैष्णव

रेलवे ज़ोन और मंडलों में स्मृति कार्यक्रम आयोजित।

सूत्र/रे.स.ब्यू- ''वंदे मातरम'' की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर, संस्कृति मंत्रालय के निर्देशानुसार, रेल भवन में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, सदस्य (टी एंड आरएस), श्री आर. राजगोपाल, रेलवे बोर्ड की सचिव श्रीमती अरुणा नायर तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे

कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित मुख्य कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग के साथ समन्वय करते हुए, सभी अधिकारियों द्वारा "वंदे मातरम" का सामूहिक गायन किया गया।

सामूहिक गायन के बाद, माननीय प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित किया। कार्यक्रम में उपस्थित केंद्रीय मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने माननीय प्रधानमंत्री का संबोधन सुना।

केंद्रीय मंत्री ने 'वंदे मातरम' को पिछले 150 वर्षों से भारत की चेतना का उद्घोष बताया।

अन्य रेलवे जोनों और मंडलों में भी इसी प्रकार के स्मरणोत्सव कार्यक्रम आयोजित किए गए। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर महाप्रबंधक श्री विजय कुमार की उपस्थिति में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

रेल निलयम के हॉल में "वंदे मातरम" की शाश्वत लय गूंज उठी, जब दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने अपर महाप्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ राष्ट्रीय गीत के गायन में भाग लिया, जिसने पीढ़ियों को प्रेरित किया है।

"वंदे मातरम" के गौरवशाली 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से "वंदे मातरम" गीत गाया।

वर्ष 2025 बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित ''वंदे मातरम'' की 150वीं वर्षगांठ है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम को प्रेरित करने वाला यह शाश्वत राष्ट्रीय गीत आज भी लोगों में देशभक्ति, गौरव और एकता की गहरी भावनाएँ जगाता है।

यह समारोह भारत की राष्ट्रीय चेतना में गहराई से रचे-बसे एक गीत के प्रति भावभीनी श्रद्धांजलि है। विविध आयोजनों के माध्यम से, रेल मंत्रालय ने भारत की सांस्कृतिक पहचान का उत्सव मनाने और सभी के बीच एकता और सेवा की भावना को बढ़ावा देने के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

झाँसी मंडल का अक्टूबर 2025 में अनारक्षित यात्री संख्या और आय के मामले में बेहतर प्रदर्शन

झाँसी मंडल ने अनारक्षित यात्री आय में दर्ज की 40.63 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि

सूत्र/रे.स.ब्यू-मंडल रेल प्रबंधक झाँसी श्री अनिरुद्ध कुमार के दिशा-निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अमन वर्मा के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग, झाँसी मंडल ने अक्टूबर 2025 में अनारक्षित यात्री संख्या और आय के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। अक्टूबर 2025 में झाँसी मंडल से यात्रा करने वाले अनारक्षित यात्रियों की संख्या 31.64 लाख रही, जिससे 27.93 करोड़ रुपये की आय हुई। यह पिछले वर्ष अक्टूबर 2024 की तुलना में 40.63 प्रतिशत अधिक है। पिछले वर्ष इस अवधि में 26.16 लाख यात्रियों से 19.86 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई थी। इस वर्ष यात्रियों की संख्या में 20.94 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो 5.47 लाख यात्रियों की बढ़ोतरी दर्शाती है।

- *झाँसी, ग्वालियर, बाँदा, ललितपुर और उरई जैसे प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या एवं आय दोनों में वृद्धि दर्ज की गई है।*
- *वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी स्टेशन से 5.68 लाख यात्रियों ने यात्रा की, जिससे 8.15 करोड़ रुपये की आय हुई।*
- *ग्वालियर स्टेशन से 6.19 लाख यात्रियों ने यात्रा की और 5.24 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई।*
- *बाँदा स्टेशन से 1.62 लाख यात्रियों ने यात्रा की और 1.61 करोड़ रुपये की आय हुई।*
- *ललितपुर स्टेशन से 1.48 लाख यात्रियों ने यात्रा की और 1.45 करोड़ रुपये की आय अर्जित हुई।*
- *उरई स्टेशन से 85 हजार यात्रियों ने यात्रा की और 77.46 लाख रुपये की आय हुई।*

यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त बुकिंग टिकट काउंटर खोले गए। स्टेशन के प्रवेश एवं निकास द्वारों पर टिकट जांच कर्मियों की तैनाती की गई, ताकि केवल वैध टिकट वाले यात्री ही यात्रा कर सकें। विभिन्न चेकिंग अभियानों के माध्यम से यात्रियों को उचित टिकट लेकर ही यात्रा करने हेतु जागरूक किया गया। इन समस्त कार्यों के सफल क्रियान्वयन में सहायक मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिरुद्ध कुमार ने बताया कि अधिक टिकट काउंटर और अतिरिक्त एटीवीएम (ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन) की उपलब्धता से यात्रियों को टिकट खरीदने में सहजता हुई और उनका प्रतीक्षा समय कम हुआ। वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी तथा चित्रकूटधाम करवी स्टेशनों पर यात्रियों के लिए बनाए गए होल्डिंग एरिया ने उन्हें अपनी ट्रेन के इंतजार के लिए सुरक्षित और आरामदायक स्थान उपलब्ध कराया है। इन सभी व्यवस्थाओं से जहाँ यात्रियों की सुविधा में सुधार हुआ है, वहीं अनारक्षित यात्रियों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

आईआरसीटीसी की भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से दक्षिण भारत यात्रा करने का सुनहरा मौका।

सूत्र/रे.स.ब्यू- इंडियन रेलवे केटरिंग एण्ड टूरिज्म कार्पोरेशन लि० (आईआरसीटीसी) द्वारा गोरखपुर रेलवे स्टेशन से भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन द्वारा दक्षिण भारत यात्रा का संचालन किया जाएगा। यह यात्रा 03 से 14 जनवरी, 2026 तक 11 रात एवं 12 दिन के लिए आयोजित की जाएगी।

यात्रा के मुख्य आकर्षणों में तिरुपति बालाजी मंदिर, रामनाथ स्वामी मंदिर (रामेश्वरम), मीनाक्षी मंदिर, कन्याकुमारी दर्शन, और मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग शामिल हैं।

इस गाड़ी में कुल 767 बर्थ उपलब्ध हैं, जिनमें वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 49 सीटें, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 70 सीटें एवं शयनयान श्रेणी में 648 सीटें शामिल हैं। यात्रियों के चढ़ने-उतरने के लिये गोरखपुर, मनकापुर, अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, प्रयागराज संगम, रायबरेली, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, ललितपुर स्टेशन निर्धारित किये गये हैं।

इकोनामी श्रेणी (स्लीपर क्लास) में पैकेज का मूल्य 24,790/- प्रति व्यक्ति है। इस श्रेणी में स्लीपर क्लास ट्रेन यात्रा, नॉन एसी होटलों में

ठहरने और नॉन एसी ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था है। स्टैंडर्ड श्रेणी (3एसी क्लास) में पैकेज का मूल्य 42,530/- प्रति व्यक्ति है। इसमें 3 एसी क्लास ट्रेन यात्रा, एसी होटलों में ठहरने और नॉन एसी ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था है। कम्फर्ट श्रेणी (2एसी क्लास) में पैकेज का मूल्य ₹56,710/- प्रति व्यक्ति है। इसमें 2एसी क्लास ट्रेन यात्रा, एसी होटलों में ठहरने और एसी ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था शामिल है। बच्चों (5-11 वर्ष) के लिए पैकेज मूल्य क्रमशः 23,400/-, 40,900/- और 54,750/- है। इस पैकेज में 02 एसी, 03 एसी एवं स्लीपर क्लास यात्रा, नाश्ता एवं दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन, और एसी/नॉन एसी बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण सम्मिलित है।

इस यात्रा सेवा मे एल.टी.सी एवं ई.एम.आई. की सुविधा भी उपलब्ध है, जिसे आईआरसीटीसी पोर्टल पर उपलब्ध सरकारी एवं गैर सरकारी बैंक से लिया जा सकता है। बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर आईआरसीटीसी की बेवसाइट irctctourism.com से ऑनलाइन या लखनऊ स्थित आईआर-सीटीसी कार्यालय से कराई जा सकती है। अधिक जानकारी के लिए दिए गए मोबाइल नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है।

Scanned with OKEN Scanner

भारत की सबसे फास्ट रेल पर PM की नजर

सूरत में बुलेट ट्रेन स्टेशन का निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री ने भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना की टीम के साथ बातचीत की प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जब राष्ट्र के लिए काम करने और कुछ नया योगदान देने की भावना जागृत होती है, तो यह अत्यधिक प्रेरणा का स्रोत बन जाती है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कल गुजरात के सूरत में निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया और मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना की टीम से भी

बातचीत की और गति तथा समय सारिणी के लक्ष्यों के पालन सहित परियोजना की प्रगति के बारे में जानकारी ली। कर्मियों ने उन्हें आश्वासन दिया कि परियोजना बिना किसी कठिनाई के सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है।

केरल की एक इंजीनियर ने गुजरात के नवसारी स्थित नॉइज बैरियर फैक्टरी में काम करने का अपना अनुभव साझा किया, जहाँ सरिया के पिंजरों की वेल्डिंग के लिए रोबोटिक इकाइयाँ स्थापित की जा रही हैं। श्री मोदी ने उनसे पूछा कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन के निर्माण के अनुभव को उन्होंने व्यक्तिगत रूप से कैसा महसूस किया और इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बारे में वे अपने परिवारों के साथ क्या साझा करती हैं। उन्होंने देश की पहली बुलेट ट्रेन में योगदान देने पर गर्व व्यक्त किया और इसे अपने परिवार के लिए एक ''ड्रीम प्रोजेक्ट'' और ''गर्व का क्षण'' बताया।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्र सेवा की भावना पर विचार करते हुए इस बात पर जोर दिया कि जब राष्ट्र के लिए काम करने और कुछ नया योगदान देने की भावना जागृत होती है, तो यह अत्यधिक प्रेरणा का स्रोत बन जाती है। उन्होंने भारत की अंतरिक्ष यात्रा के साथ तुलना करते हुए याद दिलाया कि देश का पहला उपग्रह प्रक्षेपित करने वाले वैज्ञानिकों को कैसा महसूस हुआ होगा और आज कैसे सैकड़ों उपग्रह प्रक्षेपित किए जा रहे हैं। बेंगलुरु की एक अन्य कर्मचारी, श्रुति, मुख्य इंजीनियरिंग प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने कठोर डिजाइन और इंजीनियरिंग नियंत्रण प्रक्रियाओं के बारे में बताया। श्रुति ने बताया कि कार्यान्वयन के प्रत्येक चरण में, उनकी टीम फायदे और नुकसान का मूल्यांकन करती है, समाधानों की पहचान करती है और दोषरहित कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए विकल्पों की खोज करती है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि यदि यहाँ प्राप्त अनुभवों को ब्लू बुक की तरह दर्ज और संकलित किया जाए, तो देश बुलेट ट्रेनों के बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को बार-बार प्रयोग करने से बचना चाहिए और इसके बजाय मौजूदा मॉडलों से सीखों को दोहराना चाहिए। श्री मोदी ने इस बात पर बल दिया कि अनुकरण तभी सार्थक होगा जब यह स्पष्ट समझ हो कि कुछ कदम क्यों उठाए गए। उन्होंने आगाह किया, कि अनुकरण बिना किसी उद्देश्य या दिशा के हो सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसे रिकॉर्ड बनाए रखने से भविष्य के विद्यार्थियों को लाभ हो सकता है और राष्ट्र निर्माण में योगदान मिल सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम अपना जीवन यहीं समर्पित करेंगे और देश के लिए कुछ मूल्यवान छोड़ जाएँगे।''

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार श्री अश्विनी वैष्णव का बरेका दौरा

सूत्र/रे.स.ब्यू-बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) में आज उत्साह और ऊर्जा का वातावरण रहा, जब भारत सरकार के केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बरेका का निरीक्षण किया। इस अवसर पर अध्यक्ष, रेलवे

बोर्ड श्री सतीश कुमार एवं महाप्रबंधक, बरेका श्री सोमेश कुमार उपस्थित रहे। रेल मंत्री ने लोको फ्रेम शॉप, लोको असेम्बली शॉप और लोको टेस्ट शॉप का विस्तृत निरीक्षण किया तथा निर्माण प्रक्रिया से जुड़ी तकनीकी जानकारियाँ प्राप्त कीं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कर्मचारियों से संवाद करते हुए लोको निर्माण की बारीकियों पर चर्चा की और विशेष रूप से महिला कर्मचारियों से मिलकर उनका उत्साहवर्धन किया।

श्री वैष्णव ने कर्मशाला में उपस्थित कर्मचारियों से लोको निर्माण की गुणवत्ता एवं दक्षता बढ़ाने के लिए सुझाव आमंत्रित किए।

कर्मचारियों द्वारा दिए गए उपयोगी सुझावों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि "लोको निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। बरेका की पहचान उच्च गुणवत्ता और नवाचार से बनी रहनी चाहिए।" रेल मंत्री ने बरेका की उत्पादन क्षमता, स्वच्छता व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण और सामग्री प्रबंधन प्रणाली की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि बरेका भारतीय रेल की तकनीकी आत्मनिर्भरता का उत्कृष्ट उदाहरण है, जहाँ निरंतर नवाचार और आधुनिक तकनीक का सफल समावेश किया जा रहा है।

माघ मेला-2026 के लिए रेलवे प्रशासन एवं सिविल प्रशासन के मध्य समन्वय बैठक का आयोजन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 14.11.2025 को प्रयागराज मंडल कार्यालय के 'संकल्प सभागार' में माघ मेला 2026 की तैयारियों को लेकर सिविल प्रशासन, मेला प्रशासन और रेलवे प्रशासन के बीच एक समन्वय बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक/प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल ने की, जिसमें मंडलायुक्त/प्रयागराज, श्रीमती सौम्या अग्रवाल एवं जिलाधिकारी/प्रयागराज, श्री मनीष कुमार वर्मा उपस्थित थे। इस समन्वय बैठक में प्रयागराज विकास प्राधिकरण, नगर निगम, नमामि गंगे, लोक निर्माण विभाग, एवं रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

चर्चा के मुख्य बिंदु:

यात्री सुविधाओं की जानकारी: अपर मंडल रेल प्रबंधक/सामान्य, श्री दीपक कुमार ने प्रयागराज परिक्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों, श्रद्धालुओं की संभावित आवाजाही, स्टेशनों पर बनाए जाने वाले होल्डिंग एरिया तथा अन्य यात्री सुविधाओं की विस्तृत जानकारी पावर प्वॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से साझा की।

स्टेशन परिक्षेत्र : प्रयागराज क्षेत्र में उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, नैनी एवं सूबेदारगंज स्टेशनय उत्तर रेलवे के प्रयाग जंक्शन एवं प्रयागराज संगम स्टेशन तथा पूर्वोत्तर रेलवे के प्रयागराज रामबाग और झूंसी स्टेशन शामिल हैं।

आवागमन मार्ग: अपर मेलाधिकारी श्री दयानंद प्रसाद ने मेला अवधि के दौरान विभिन्न स्टेशनों से संगम क्षेत्र तक आने-जाने वाले प्रमुख एवं वैकल्पिक मार्गों पर विस्तार से चर्चा की।

भीड़ प्रबंधन: बैठक में माघ मेला 2026 के प्रमुख पर्वोंजैसे पौष पूर्णिमा (03.01.2026), मकर संक्रांति (15.01.2026), मौनी अमावस्या (18.01.2026), बसंत पंचमी (23.01.2026), माघी पूर्णिमा (01.02.2026) एवं महाशिवरात्रि (15.02.2026) पर आने वाली करोड़ों की संभावित भीड़ के सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सुगम आवागमन को सुनिश्चित करने हेतु भीड़ प्रबंधन की रणनीतियों और वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' के अंतर्गत आरपीएफ ने जनवरी से अक्टूबर 2025 के बीच भारतीय रेलवे में 16,450 बच्चों को बचाया, जिनमें से सिर्फ अक्टूबर में 1,586 बच्चों को बचाया गया

आरपीएफ ने ऑपरेशन 'नार्कोस' के तहत मादक पदार्थों की तस्करी पर कार्रवाई तेज की, जनवरी से अक्टूबर 2025 के बीच 197.19 करोड़ रुपये मूल्य की एनडीपीएस बरामद, जिसमें अकेले अक्टूबर में 14.68 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ शामिल हैं

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे संपत्ति, यात्री क्षेत्रों और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का दायित्व संभाल रहा रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) यात्रियों को सुरक्षित, संरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहा है। भारतीय रेलवे की विशाल परिसंपत्ति की सुरक्षा एवं सुरक्षित माल परिवहन सुनिश्चित करने में सहायता करते हुए आरपीएफ ने पूरे नेटवर्क में अपराध पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाया है और उनका पता लगाया है। सार्वजनिक सुरक्षा, सामाजिक कल्याण और सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखते हुए, भारतीय रेलवे और आरपीएफ के समन्वित प्रयासों से जनवरी और अक्टूबर 2025 के बीच प्रमुख पहलों में महत्वपूर्ण परिणाम प्राप्त हुए हैं।

निम्नलिखित संयुक्त उपलब्धियां हैं:

ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते'

आरपीएफ ने उन बच्चों को उनके परिवारों से पुनर्मिलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जो विभिन्न कारणों से अपने परिजनों से बिछड़ गए थे या खो गए थे। इस प्रयास को मजबूत करने के लिए भारतीय रेलवे में ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' शुरू किया गया, जो देखभाल और सहायता की आवश्यकता वाले संवेदनशील बच्चों के बचाव और संरक्षण पर केंद्रित था। इस पहल के अंतर्गत, जनवरी से अक्टूबर 2025 तक कुल 16,450 बच्चों को बचाया गया - जिनमें 11,543 लड़के, 4,906 लड़कियां और एक अन्य शामिल हैं - और उन्हें उनके परिवारों के सुपुर्द करने के लिए संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया। अकेले अक्टूबर 2025 में 1,586 बच्चों को बचाया गया, जिनमें 1,085 लड़के और 501 लड़कियां शामिल थीं।

ऑपरेशन 'जीवन रक्षा'

रेलवे पटरियों पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए समर्पित जीवन रक्षक मिशन 'जीवन रक्षा' संकट में फंसे व्यक्तियों को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जनवरी और अक्टूबर 2025 के बीच कुल 2,658 लोगों की जान बचाई गई, जिनमें 1,757 पुरुष और 901 महिलाएं शामिल थीं। अकेले अक्टूबर 2025 में 296 लोगों को बचाया गया, जिनमें 191 पुरुष और 105 महिलाएं शामिल थीं।

ऑपरेशन 'नार्कोस'

अप्रैल 2019 से आरपीएफ को नारकोटिक्स ड्रग्स और साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडी- पीएस) अधिनियम के तहत तलाशी, जब्ती और गिरफ्तार करने का अधिकार दिया गया है और यह नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार को रोकने के सरकार के प्रयासों में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है। एनडीपीएस की तस्करी के खिलाफ जारी कार्रवाई 'ऑपरेशन नार्कोस' के अंतर्गत आरपीएफ को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। जनवरी से अक्टूबर 2025 तक कुल 1,794 मामलों का पता चला, जिसके परिणामस्वरूप 197.19 करोड़ रुपये मूल्य की एनडीपीएस बरामद हुई और 1,450 व्यक्तियों की गिरफ्तारी हुई। अकेले अक्टूबर 2025 में 140 मामलों का पता चला, जिसके परिणामस्वरूप 14.68 करोड़ रुपये मूल्य की एनडीपीएस बरामद हुई और 133 व्यक्तियों की गिरफ्तारी हुई।

ऑपरेशन 'अमानत'

आरपीएफ के ऑपरेशन 'अमानत' का उद्देश्य मूल्यवान वस्तुओं को उनके असली मालिकों तक वापस पहुंचाना है, जिसके प्रभावशाली परिणाम सामने आए हैं। इस यात्री-केंद्रित पहल से यात्रियों को उनकी छूटी हुई वस्तुएं पुनः प्राप्त हुई हैं तथा उनके मूल्यवान सामान की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। जनवरी और अक्टूबर 2025 के बीच कुल 42,210 छूटे हुए सामान बरामद किए गए, जिनका अनुमानित मूल्य 70.66 करोड़ रुपये था, जबकि अकेले अक्टूबर 2025 में 7,894 सामान बरामद किए गए, जिनका मूल्य लगभग 8.65 करोड़ रुपये था।

ये आंकड़े प्रत्येक नागरिक के लिए अधिक सुरक्षित यात्रा अनुभव बनाने के आरपीएफ और भारतीय रेलवे के अटूट समर्पण को दर्शाते हैं। प्रौद्योगिकी के उपयोग और अन्य एजेंसियों के साथ घनिष्ठ समन्वय के माध्यम से भारतीय रेलवे और आरपीएफ जरूरतमंद एवं कमजोर लोगों की सुरक्षा, जीवन बचाने और मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर यात्रा सुरक्षित, आरामदायक और चिंतामुक्त हो।

Scanned with OKEN Scanner

सात माह में पश्चिम मध्य रेल ने 31 मिलियन टन से अधिक माल लदान किया, गत वर्ष की तुलना में लगभग 7 प्रतिशत अधिक माल लदान किया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक के निरंतर मॉनिटरिंग में पश्चिम मध्य रेल पर फ्रेट लोडिंग बढ़ाने के उद्देश्य से समय-समय पर विभिन्न बैठकें आयोजित की जाती हैं। इसी कड़ी में वाणिज्य/परिचालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा जबलपुर, भोपाल एवं कोटा तीनों मंडलों में फ्रेट लोडिंग को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिसके परिणाम-स्वरूप पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के अक्टूबर 2025 माह में 04.34 मिलियन टन माल लदान किया।

इस प्रकार पश्चिम मध्य रेल गुड्स लोडिंग में चालू वित्तीय वर्ष 2025 के अप्रैल से अक्टूबर तक कुल 31.46 मिलियन टन माल लदान किया, जबकि गत वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में 29.48 मिलियन टन माल लदान किया था, जो कि 6.71 प्रतिशत अधिक है।

माल यातायात के लिए निम्नलिखित प्रयास किए जा रहे हैं :-

- नई रेल लाइन/दोहरीकरण/तिहरीकरण जैसे अधोसंरचना कार्यों में गति प्रदान की जा रही है।
- मालगाड़ियों की औसत गति में वृद्धि करके अलग-अलग रेल खंड की क्षमता में वृद्धि और इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी बढ़ाया। साथ ही साथ ऑपरेशनल सुधार भी किए गए।
- गुड्स टर्मिनल की वर्किंग में सुधार एवं मालगाड़ियों के डिटेंशन को कम किया गया। इससे मालगाड़ियों के संचालन में तेजी आई और माल ढुलाई में वृद्धि हुई।
- माल गोदामों में राउण्ड द क्लॉक यानि चौबीस घंटे लोडिंग एवं अनलोडिंग सेवाएँ शुरू की गई।
- नए माल गोदामों को विकसित करके उनका उन्नयन कार्य किया जा रहा है।
- गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल/साइडिंग को बढ़ाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

"वंदे मातरम" पिछले 150 वर्षों से भारत की चेतना का उद्घोष है: अश्विनी वैष्णव, रेलवे जोन और मंडलों में स्मृति कार्यक्रम आयोजित।

सूत्र/रे.स.ब्यू- "वंदे मातरम" की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर, संस्कृति मंत्रालय के निर्देशानुसार, रेल भवन में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, सदस्य (टी एंड आरएस), श्री आर. राजगोपाल, रेलवे बोर्ड की सचिव श्रीमती अरुणा नायर तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे

कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित मुख्य कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग के साथ समन्वय करते हुए, सभी अधिकारियों द्वारा "वंदे मातरम" का सामूहिक गायन किया गया।

सामूहिक गायन के बाद, माननीय प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित किया। कार्यक्रम में उपस्थित केंद्रीय मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने माननीय प्रधानमंत्री का संबोधन सुना।

केंद्रीय मंत्री ने 'वंदे मातरम' को पिछले 150 वर्षों से भारत की चेतना का उद्घोष बताया।

अन्य रेलवे जोनों और मंडलों में भी इसी प्रकार के स्मरणोत्सव कार्यक्रम आयोजित किए गए। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर महाप्रबंधक श्री विजय कुमार की उपस्थिति में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

रेल निलयम के हॉल में "वंदे मातरम" की शाश्वत लय गूंज उठी, जब दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने अपर महाप्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ राष्ट्रीय गीत के गायन में भाग लिया, जिसने पीढ़ियों को प्रेरित किया है।

कोहरे के मौसम में संरक्षित रेल संचालन के विषय पर संरक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- विधुत परिचालन विभाग / आगरा द्वारा दिनांक 13.11.2025 को मण्डल रेल प्रबंधक आगरा श्री गगन गोयल के नेतृत्व में मंडल कार्यालय के गोवर्धन कक्ष में "कोहरे के मौसम में संरक्षित रेल संचालन" के विषय पर संरक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया।

सेमिनार में रेल संचालन को कोहरे के मौसम में सुरक्षित एवं निर्बाध रूप से संचालित किए जाने हेतु आवश्यक सावधानियों, तकनीकी उपायों एवं आधुनिक उपकरणों के प्रयोग पर विस्तार से चर्चा की गई। रेलवे द्वारा शून्य दुर्घटना के लक्ष्य की दिशा में , मॉडिफाइड ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम, जर्क एवं लर्च लगाने पर की जाने वाली कार्यवाही ,ऑटोमेटिक सिगनल को खराब या ऑन की स्थिति में पार करने के नियम , कवच -4.0 की कार्य प्रणाली तथा अन्य आधुनिक तकनीकों के प्रयोग के बारे में रेलवे कर्मचारियों को प्रेजेन्टेशन के माध्यम से विस्तार पूर्वक बताया गया ताकि कोहरे के दौरान ट्रेनों का संरक्षित रूप से परिचालन किया जा सके और किसी भी सम्भावित दुर्घटना को रोका जा सके। सेमिनार में कर्मचारियों को कोहरे के मौसम में उत्पन्न होने वाली चुनौतियों जैसे दृश्यता की कमी, सिग्नल पहचानने में कठिनाई, ब्रेकिंग दूरी में वृद्धि तथा ट्रेनों के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखने की आवश्यकता आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान सजग एवं सतर्क रहने तथा नियमानुसार कार्य निष्पादन करने को बताया। साथ ही साथ सेमिनार में वर्णित विषय के अलावा अन्य सेफ्टी से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा करके कर्मचारियों के ज्ञान को रिफ्रेश किया गया एवं उपस्थित कर्मचारियों/पर्यवेक्षकों द्वारा पूछे गए सवालों का मंच से अधिकारियों द्वारा जवाब दिया गया एवं उनकी समस्याओं को सुनकर उनका समाधान किया गया।

उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर स्टेशन पर मनाया जाएगा स्टेशन महोत्सव।

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारत में रेल संचालन की शुरुआत हुए 172 वर्ष हो चुके हैं। इन वर्षों में धीरे धीरे पूरे भारतवर्ष में रेल का विकास हुआ है। कई रेल मार्गों और स्टेशनों को बने सौ से अधिक वर्ष बीत चुके हैं। ये स्टेशन भवन अब हमारी विरासत बन चुके है। इन्हीं विरासतों को सहेजने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय ने रेलवे स्टेशनों के शताब्दी समारोह मनाने का निर्णय लिया है। इस क्रम उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर स्टेशन पर स्टेशन महोत्सव मनाया जाएगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार बीकानेर स्टेशन पर 07 से 13 नवंबर तक स्टेशन महोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर बीकानेर स्टेशन के विकास के ऐतिहासिक सफर को दर्शाती हुई एक प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रथम दिन 07 नवंबर को प्रदर्शनी का अवलोकन करने मुख्य अतिथि के रूप में श्री अर्जुन राम मेघवाल, माननीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व संसदीय कार्य राज्यमंत्री, भारत सरकार , बीकानेर स्टेशन आयेंगे। श्री जेठानंद व्यास, सांसद/बीकानेर (पश्चिम) विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। साथ ही श्री अमिताभ, महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे, रेलवे के कई उच्च अधिकारीगण तथा जनप्रतिनिधि भी सम्मिलित होंगे।

स्टेशन महोत्सव में प्रदर्शनी के साथ-साथ बच्चों के लिए चित्रकला, निबंध आदि प्रतियोगिता, खेल प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रभात फेरी, स्वच्छता अभियान, स्टेशन भवन पर विशेष थीम आधारित रोशनी, स्काउट व गाइड द्वारा बैंड का प्रदर्शन आदि कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

संपादकीय

राष्ट्रीय सुरक्षा में हर नागरिक की भूमिका: सतर्कता ही सुरक्षा है

भारत की रेलगाड़ियाँ और रेलवे स्टेशन हमारी जीवनरेखा हैं। ये न सिर्फ लाखों लोगों को उनकी मंजिल तक पहुँचाते हैं, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था की धुरी भी हैं। लेकिन, जब देश की सुरक्षा की बात आती है, तो ये सार्वजनिक स्थल अक्सर असामाजिक और राष्ट्र-विरोधी तत्वों के निशाने पर रहे हैं। हाल के दिनों में हमने देखा है कि किस तरह कुछ दुर्भावनापूर्ण शक्तियाँ हमारे देश की एकता और शांति को भंग करने की कोशिश कर रही हैं - चाहे वह पहलगाँव की घटना हो या दिल्ली के चांदनी चौक जैसे संवेदनशील इलाकों में हुई विस्फोट की साजिश।

ऐसे माहौल में, हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह देश की आंतरिक सुरक्षा में अपना सक्रिय योगदान दे। यह योगदान किसी बड़े बलिदान की मांग नहीं करता, बल्कि सिर्फ सतर्कता और जिम्मेदारी की मांग करता है।

आपका एक कदम, लाखों जिंदगियाँ बचा सकता है

रेलवे स्टेशन परिसर या चलती रेलगाड़ी में यदि आपको कोई भी लावारिस या संदिग्ध वस्तु दिखाई देती है, तो उसे नजरअंदाज न करें। एक छोटी-सी अनजानी वस्तु, जैसे कि एक बैग, डिब्बा या पैकेट, एक बड़ा ख़तरा बन सकती है।

याद रखें:

- ***संदिग्ध वस्तु को छूएँ नहीं:*** अपनी उत्सुकता पर काबू रखें और उस वस्तु से दूरी बनाए रखें।
- ***तुरंत सूचना दें:*** बिना किसी देरी के ड्यूटी पर तैनात रेलवे पुलिस बल (RPF), राजकीय रेलवे पुलिस (GRP) या किसी भी रेलवे कर्मचारी को इसकी सूचना दें। आप रेलवे हेल्पलाइन नंबर का भी उपयोग कर सकते हैं।

यह कार्यवाही आपको खुद और आपके सह-यात्रियों की जान बचाने का मौका देती है। एक पल की जागरूकता, एक बड़ी त्रसदी को टाल सकती है।

राष्ट्र के प्रति आपका कर्तव्य

देशभक्ति केवल सीमाओं पर लड़ने या बड़े मंचों पर भाषण देने तक सीमित नहीं है। सच्ची देशभक्ति हमारे रोजमर्रा के जीवन में जागरूक नागरिक बनने में निहित है। जब आप एक संदिग्ध वस्तु की सूचना देकर रेलवे अर्थ रिटी की मदद करते हैं, तो आप केवल एक सुरक्षाकर्मी का काम नहीं कर रहे होते, बल्कि आप सीधे तौर पर राष्ट्र-विरोधी ताकतों के मंसूबों को नाकाम कर रहे होते हैं। यह देश के प्रति आपका एक महत्वपूर्ण 'कर्तव्य' है।

रेलवे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियाँ अपनी ओर से पूरी कोशिश कर रही हैं, लेकिन इतने बड़े नेटवर्क की निगरानी हर कोने में करना मुश्किल है। इसलिए, यात्रियों की आँखें और कान सुरक्षा चक्र का सबसे मजबूत हिस्सा हैं।

आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने सार्वजनिक परिवहन को असामाजिक तत्वों का अड्डा नहीं बनने देंगे। सतर्कता ही सर्वोत्तम सुरक्षा है। आपके एक जिम्मेदार कदम से, न केवल आप एक यात्री के रूप में सुरक्षित रहेंगे, बल्कि एक नागरिक के रूप में भी आप देश को सुरक्षित रखने में अपना अमूल्य योगदान देंगे।

जागरूक बनें, सुरक्षित रहें, राष्ट्र की सेवा करें।

उत्तर पश्चिम रेलवे के स्टेशनों व ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़

नियमित मॉनिटरिंग, गश्त और अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरणों के माध्यम से सुरक्षा प्रबंध सुदृढ़

उत्तर पश्चिम रेलवे के स्टेशनों और ट्रेनों में यात्री सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कन्ट्रोल रूम से नियमित मॉनिटरिंग, गश्त और सुरक्षा उपकरणों के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे परिसर और ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए श्री अमिताभ, महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा बैठक में अधिकारियों को दिशानिर्देश प्रदान किए गए। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल के जवानों द्वारा स्टेशनों और ट्रेनों में लगातार गश्त के माध्यम से निगरानी रखा जा रही है और स्टेशनों पर रेलवे सुरक्षा बल के कन्ट्रोल रूम से हर स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय पुलिस के समन्वय से सुरक्षा प्रबंधन को मजबूत बनाया गया है। स्टेशनां पर यात्रियों के आगमन पर उनके सामान की जांच बैगेज स्केनर के माध्यम से की जा रही है और प्रमुख स्टेशनों पर डॉग स्क्वाड़ द्वारा भी नियमित रूप से गश्त की जा रही है उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर स्टेशन पर 5, गांधीनगर जयपुर, अजमेर, जोधपुर व बीकानेर स्टेशनों पर 2-2 और दुर्गापुरा एवं भगत की कोठी स्टेशनों पर 1-1 बैगेज स्कैनर मशीने कार्य कर रही है। इसके अतिरिक्त हैंड हेल्ड मैटल डिटक्टर और डोर फ्रेम मैटल डिटक्टर भी प्रमुख स्टेशनों पर उपलब्ध है। इन मशीनों के उपयोग से प्लेटफॉर्म में प्रवेश करने वाले यात्रियों और उनके सामान की गहनता के साथ जांच की जा रही है। इसके अतिरिक्त प्रमुख स्टेशनों जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, गांधीनगर जयपुर, भगत की कोठी, हिसार, रेवाड़ी, हिसार, अलवर, किशनगढ़, उदयपुर सिटी, दौसा, बाडमेर इत्यादि में स्टेशन परिसर की नगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों द्वारा कन्ट्रोल रूम से लगातार निगरानी रखी जा रही है। रेलवे द्वारा स्टेशनों और ट्रेनों में गश्त करने वाले रेलवे सुरक्षा बल के जवानों को अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाए गए है।

सभी यात्रियों से अनुरोध है कि स्टेशन परिसर एवं ट्रेन में किसी भी तरह की संदिग्ध या लावारिस वस्तु दिखाई देने पर तुरंत रेलवे सुरक्षा बल के कर्मचारी अथवा रेलवे कर्मचारी को सूचना देवे। इसके साथ ही हेल्पलाइन नम्बर 139 अथवा रेल मदद पोर्टल के माध्यम से भी यात्री संदिग्ध अथवा लावारिश वस्तु की जानकारी, सूचना और शिकायत दे सकते है। यात्रियों से निवेदन है कि ट्रेन आगमन के आधे घंटे पूर्व स्टेशन आए ताकि सुरक्षा संबंधी सभी जांच सुनिश्चित की जा सके ताकि यात्रियों को ट्रेन पकडने में किसी प्रकार की हडबड़ी नहीं हो सके।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशि:

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

पंजिकृत कार्यालय

502 पंचशीला भवन त्रियेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।

कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिपोटर) कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि.
इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि.
329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90 पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9793956044
फोन नं. 0532-2418040

रेल की हर अपडेट अब आपके मोबाइल पर
बस स्कैन करें यह कोड

रेल समाचार ब्यूरो
की वेबसाइट पर खबरें पढ़ने के लिए अभी स्कैन करें

Scanned with OKEN Scanner

भारत ने विश्व स्वास्थ्य संगठन शिखर सम्मेलन से पहले साक्ष्य-आधारित पारंपरिक चिकित्सा पर वैश्विक प्रयासों को आगे बढ़ाया

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ मिलकर 10 नवंबर, 2025 को नई दिल्ली में राजदूतों के स्वागत समारोह का आयोजन किया। यह आयोजन 17-19 दिसंबर, 2025 को नई दिल्ली में होने वाले दूसरे डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन का पूर्ववर्ती कार्यक्रम था। इस बैठक में राजदूतों और राजनयिकों को शिखर सम्मेलन के विजन और साक्ष्य- आधारित पारंपरिक चिकित्सा को आगे बढ़ाने में बहुपक्षीय सहयोग के अवसरों की जानकारी दी गई।

केंद्रीय मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और कहा कि यह शिखर सम्मेलन विश्व भर में न्यायसंगत, सुलभ और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों के साझा प्रयास में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि भारत डब्ल्यूएचओ और जामनगर स्थित वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र के साथ मिलकर अनुसंधान को मजबूत करने, गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को बढ़ाने तथा पारंपरिक चिकित्सा के लाभों को सभी के लिए उपलब्ध कराने पर काम कर रहा है।

आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने शिखर सम्मेलन की थीम 'संतुलन बहाल करना: स्वास्थ्य और कल्याण का विज्ञान और कार्यप्रणाली' का उल्लेख करते हुए समग्र और एकीकृत स्वास्थ्य प्रणालियों के इर्द-गिर्द वैश्विक समन्वय पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक साझेदारों के साथ मिलकर मानकों को सुदृढ़ करने, अनुसंधान को आगे बढ़ाने और गुणवत्ता आश्वासन सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है।

विदेश सचिव (पश्चिम) राजदूत सिबी जॉर्ज ने पारंपरिक चिकित्सा के लिए वैश्विक ढांचे को आकार देने में भारत की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएचओ के साथ भारत की साझेदारी विश्व भर में पारंपरिक चिकित्सा के अनुसंधान, सत्यापन और सुरक्षित एकीकरण को सुदृढ़ करती है। डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की मानद क्षेत्रीय निदेशक डॉ. पूनम खेत्रपाल ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा सभी के लिए स्वास्थ्य अर्जित करने का एक अभिन्न अंग है, और जामनगर स्थित डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन (जीटीएमसी) एक स्वस्थ और अधिक टिकाऊ भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

डब्ल्यूएचओ जीटीएमसी की निदेशक डॉ. श्यामा कुरुविला ने बताया कि शिखर सम्मेलन का उद्देश्य वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा कार्यनीति 2025-2034 द्वारा निर्देशित एक वैश्विक आंदोलन को आगे बढ़ाना है। यह स्वागत समारोह साक्ष्य-आधारित पारंपरिक चिकित्सा को आगे बढ़ाने और एक ऐसे वैश्विक स्वास्थ्य इको-सिस्टम को आकार देने की सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है जहां पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान तालमेल से काम करें।

आयुष मंत्रालय ने विशेष अभियान 5.0 के सफल कार्यान्वयन के माध्यम से 'स्वच्छता ही सेवा' को सुदृढ़ किया

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय ने 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक चलाए गए विशेष अभियान 5.0 के तहत दक्षता, पारदर्शिता और स्वच्छता की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए। यह अभियान प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, रिकॉर्ड प्रबंधन में सुधार लाने और सभी आयुष संस्थानों में निरंतर स्वच्छता तथा जन-शिकायत निवारण को बढ़ावा देने पर केंद्रित था।

इस अभियान के दौरान मंत्रालय ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कीं :

- कुल 658 जन शिकायतों और 59 जन शिकायत अपीलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया।
- दो सांसद संदर्भों का भी समाधान किया गया।
- देश भर के आयुष प्रतिष्ठानों में 68 स्वच्छता अभियान सफलतापूर्वक चलाए गए।
- रिकॉर्ड प्रबंधन और प्रशासनिक दक्षता में सुधार करते हुए 101 फाइलों की छंटाई की गई।

कबाड़ निपटान गतिविधियों के माध्यम से, मंत्रालय ने 1365 वर्ग फुट स्थान खाली कराया और इससे 7,35,500 रुपये का राजस्व प्राप्त किया। ये प्रयास न केवल संसाधन अनुकूलन और कार्यस्थल दक्षता पर मंत्रालय के जोर को रेखांकित करते हैं, बल्कि भारत सरकार के 'स्वच्छता ही सेवा' और 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' के दृष्टिकोण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाते हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों ने आयुष भवन और अन्य प्रमुख संस्थानों में व्यक्तिगत रूप से इस पहल का नेतृत्व किया, जिससे सामूहिक उत्तरदायित्व और नागरिक जागरूकता की संस्कृति को बल मिला। अभियान 5.0 ने हर्बल उद्यानों, सामुदायिक स्थलों और सार्वजनिक क्षेत्रों में आयोजित विभिन्न स्वच्छता और जागरूकता अभियानों में अधिकारियों, कर्मचारियों और आयुष समुदाय की व्यापक भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस-2025

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय ने राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस पर कैंसर की शीघ्र पहचान और जन जागरूकता प्रयासों को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कैंसर विश्व में मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण बना हुआ है, और रोकथाम योग्य कारक (जैसे तंबाकू सेवन, अस्वस्थकर आहार, और शारीरिक निष्क्रियता) इसके मामलों के एक बड़े हिस्से से जुड़े हैं। प्रारंभिक पहचान से जीवन रक्षा में काफी सुधार होता है, खासकर स्तन, गर्भाशय ग्रीवा और मुख कैंसर के लिए।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए कैंसर जागरूकता और रोकथाम हेतु एक सक्रिय और जन-केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मंत्रालय की विस्तारित पहलों जिनमें एकीकृत कैंसर देखभाल केंद्र और सहयोगात्मक अनुसंधान प्रयास शामिल हैं का उद्देश्य हर नागरिक तक सस्ता, समुचित और सहायक देखभाल पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि आधुनिक कैंसर विज्ञान को आयुष प्रणालियों के साथ जोड़ने वाले एकीकृत मॉडल जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार ला सकते हैं।

आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि एकीकृत कैंसर देखभाल पहलों का बढ़ता नेटवर्क साक्ष्य-आधारित, रोगी-केंद्रित समाधानों को मजबूत करने की मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मंत्रालय प्रमुख उत्कृष्टता केंद्रों और टीएमसी-एक्ट्रेक, आर्य वैद्यशाला, एम्स जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के साथ साझेदारी कर रहा है। ये पहल व्यवस्थित अनुसंधान, प्रशिक्षित मानवशक्ति और चिकित्सकीय रूप से मान्य सहायक देखभाल के माध्यम से आधुनिक कैंसर विज्ञान को पूरक बनाने की आयुष प्रणालियों की क्षमता को प्रदर्शित करती हैं।

एकीकृत देखभाल और आयुष औषधि खोज के लिए मुंबई स्थित टीएमसी-एक्ट्रेक सहित प्रमुख उत्कृष्टता केंद्रों के माध्यम से आयुष मंत्रालय एकीकृत कैंसर देखभाल का विस्तार कर रहा है। कोट्टक्कल स्थित आर्य वैद्य शाला में, एक समर्पित उत्कृष्टता केंद्र जीवन की गुणवत्ता और सहायक चिकित्सा पर केंद्रित है।

आयुष मंत्रालय ने भारत के राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित राष्ट्रव्यापी समारोह में हिस्सा लिया

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय ने 7 नवंबर, 2025 को आयुष भवन के केंद्रीय प्रांगण में एक सामूहिक गायन कार्यक्रम के साथ भारत के राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने का स्मरण किया। यह कार्यक्रम संस्कृति मंत्रालय की राष्ट्रव्यापी पहल के अनुरूप आयोजित किया गया था।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और मंत्रालय के अधिकारियों तथा कर्मचारियों के साथ सामूहिक गायन में शामिल हुए। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि वंदे मातरम राष्ट्रीय जागरण का एक शक्तिशाली प्रतीक बन गया था और ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष में एक ज्वलंत नारा बना। मंत्री ने कहा कि इस कालजयी रचना का हर शब्द मातृभूमि के प्रति नागरिकों के गहरे प्रेम और समर्पण को दर्शाता है।

श्री जाधव ने जोर देकर कहा कि देश भर में इस वर्षगांठ को मनाने से यह बात दोहराई जाती है कि भारत की प्रगति हमारी विरासत के संरक्षण के साथ-साथ होनी चाहिए, जैसा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा इस पर बल दिया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश भर के लोगों की सक्रिय भागीदारी 2047 तक एक विकसित भारत के विजन की दिशा में सामूहिक संकल्प को मजबूत करेगी।

गायन समारोह के बाद, प्रतिभागियों ने कौटिल्य सम्मेलन कक्ष में एकत्र होकर वंदे मातरम की विरासत और ऐतिहासिक यात्रा पर संस्कृति मंत्रालय द्वारा तैयार की गई एक विशेष प्रस्तुति देखी। कार्यक्रम का समापन प्रधानमंत्री के संबोधन के सीधे प्रसारण के साथ हुआ, जिसमें राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव का औपचारिक उद्घाटन किया गया। संस्कृति मंत्रालय द्वारा इस संबंध में एक समर्पित अभियान वेबसाइट https://vandematram150.in का भी शुभारंभ किया गया है।

वंदे मातरम, जो दशकों के दौरान साहित्यिक उदभव 'आनंदमठ' से आगे बढ़कर राष्ट्रीय चेतना की सशक्त अभिव्यक्ति बन गया है, ने स्वतंत्रता आंदोलन में व्यापक जनसहभागिता को प्रेरित किया। आयुष मंत्रालय की भागीदारी ने राष्ट्रीय सांस्कृतिक आयोजनों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता और देशभक्ति की सामूहिक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने में उसकी भूमिका को रेखांकित किया।

आयुष सचिव ने सीआईआई वार्षिक स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन 2025 में समग्र स्वास्थ्य सेवा में आयुर्वेद की केन्द्रीय भूमिका पर जोर दिया

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने 11 नवंबर, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित 22वें सीआईआई वार्षिक स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन 2025 को संबोधित किया। उन्होंने भारत में समग्र स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को आकार देने में आयुर्वेद की मौलिक भूमिका पर जोर दिया।

श्री कोटेचा ने अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं से आग्रह किया कि वे आयुर्वेदिक उपचारों, स्वास्थ्य उपचारों, विषहरण (डिटॉक्सिफिकेशन) और योग को आधुनिक चिकित्सा सेवाओं के साथ सक्रिय रूप से एकीकृत करके आयुर्वेद की विशाल क्षमता का पूरी तरह से उपयोग करें। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि आयुर्वेद और समग्र स्वास्थ्य कार्यक्रम भारत में व्यापक और पुनर्स्थापनात्मक स्वास्थ्य सेवा चाहने वाले घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय, दोनों ही तरह के रोगियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं।

सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि एकीकृत स्वास्थ्य सेवा मॉडल, जो पारंपरिक उपचार ज्ञान और समकालीन चिकित्सा को जोड़ता है, आवश्यक है। यह मॉडल न केवल समावेशी और विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवा इकोसिस्टम को बढ़ावा देता है, बल्कि चिकित्सा पर्यटन के लिए एक अग्रणी वैश्विक गंतव्य के रूप में भारत की स्थिति स्थापित करने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की फार्माकोलॉजी प्रयोगशाला ने बीआईएस से ट्रिपल आईएसओ प्रमाणन प्राप्त कर वैश्विक गुणवत्ता मानक स्थापित किए

सूत्र/रे.स.ब्यू- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA), नई दिल्ली की फार्माकोल जी प्रयोगशाला को 7 नवंबर, 2025 को भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) द्वारा तीन प्रतिष्ठित प्रमाणपत्रें से मान्यता मिली। ये प्रमाणन हैं: IS/ISO 9001:2015 (गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली), IS/ISO 14001:2015 (पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली), और IS/ISO 45001:2018 (व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली)। यह उपलब्धि AIIA की संस्थागत उत्कृष्टता की ओर एक बड़ा कदम है।

एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (IMS) को लागू करके, AIIA ने अपनी प्रयोगशाला प्रक्रियाओं को मानकीकृत किया है, नैतिक और पर्यावरणीय मानदंडों का अनुपालन मजबूत किया है, और आयुर्वेदिक योगों पर पूर्व-नैदानिक औषधीय अनुसंधान में परिचालन दक्षता बढ़ाई है।

इस पहल के प्रमुख लाभों में शामिल हैं: सुव्यवस्थित और पुनरुत्पादनीय प्रयोगात्मक प्रक्रियाएँ (QMS), अपशिष्ट न्यूनीकरण और ऊर्जा अनुकूलन सहित पर्यावरणीय रूप से उत्तरदायी कार्य प्रणालियाँ (EMS), और जोखिम न्यूनीकरण, श्रम-कुशल प्रयोगशाला डिजाइन तथा नियमित सुरक्षा ऑडिट के साथ उन्नत व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा संस्कृति (OHSMS)।

BIS द्वारा यह प्रमाणन, आयुर्वेद अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में AIIA की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता को बढ़ाता है। AIIA के निदेशक, प्रो. (वैद्य) पी. के. प्रजापति ने कहा कि यह उपलब्धि गुणवत्ता, सुरक्षा और स्थिरता के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है, और यह भारत भर के आयुर्वेद संस्थानों के लिए एक नया मानदंड स्थापित करता है।

AIIA, जो आयुष मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन है, NAAC A++ से मान्यता प्राप्त है और भारत का पहला NABH-मान्यता प्राप्त सार्वजनिक क्षेत्र का आयुर्वेद अस्पताल है। इसकी फार्माकोल जी प्रयोगशाला द्वारा आईएसओ प्रमाणन प्राप्त करना, आयुर्वेद के क्षेत्र में वैश्विक मानकों, नैतिक अनुसंधान और स्थायी कार्य प्रणालियों को बढ़ावा देने के AIIA के दृष्टिकोण पर बल देता है।

"आयुर्वेद सिर्फ उपचार नहीं, यह जीवन जीने की कला है। प्रकृति के संतुलन को समझते हुए, यह हमें रोगमुक्त और दीर्घायु जीवन का मार्ग दिखाता है।"

Scanned with OKEN Scanner

रेल मंत्रालय ने महीने भर चलने वाले विशेष अभियान 5.0 में सक्रिय रूप से भाग लिया, स्वच्छता, लंबित मामलों के निपटान और रिकॉर्ड प्रबंधन में पिछली उपलब्धियों को पीछे छोड़ा

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेल मंत्रालय ने प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक शुरू किए गए एक महीने के विशेष अभियान 5.0 में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य स्वच्छता, लंबित मामलों का निपटान और प्रभावी अभिलेख प्रबंधन करना था। यह अभियान रेलवे बोर्ड की गहन निगरानी और मार्गदर्शन में सभी क्षेत्रीय रेलवे और उत्पादन इकाइयों में लागू किया गया।

विशेष अभियान 5.0 के तहत रेल मंत्रालय का निष्पादन विशेष अभियान 4.0 के दौरान दर्ज की गई उपलब्धियों से आगे निकल गया है।

अभियान अवधि के दौरान, रेल मंत्रालय ने स्टेशनों, कार्यालयों और कार्यस्थलों में 84,184 स्वच्छता अभियान चलाए। कार्यालयों और कार्यस्थलों में कबाड़ के निपटान पर विशेष जोर दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप 6.06 लाख वर्ग फुट जगह खाली हुई और 570 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

रेलवे बोर्ड के सशक्त नेतृत्व में, मंत्रालय ने जन शिकायतों, वीआईपी संदर्भों और अन्य लंबित मामलों के निपटान से संबंधित निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत हासिल किया। कुल 99,968 फाइलों की समीक्षा की गई, जिनमें से 59,248 भौतिक फाइलें और 7,482 ई-फाइलें हटा दी गई या बंद कर दी गईं।

जन जागरूकता बढ़ाने के लिए, 105 अमृत भारत स्टेशनों सहित सभी प्रमुख स्टेशनों पर 'अमृत संवाद' के रूप में नागरिक-केंद्रित पहल आयोजित की गईं। गतिविधियों की व्यापक सोशल मीडिया कवरेज ने भी देश भर में मंत्रालय द्वारा प्रचारित स्वच्छता आंदोलन के प्रति जागरूकता और रुचि पैदा की। कार्यान्वयन अवधि के दौरान विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम) पर कुल 22,636 पोस्ट और कई बार पुनः पोस्ट किए गए पोस्ट उच्च स्तर की सहभागिता का संकेत देते हैं।

फतेहपुर स्टेशन अब होगा और भी आधुनिक, सुलभ और आकर्षक।

सूत्र/रे.स.ब्यू- - उत्तर मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाला फतेहपुर स्टेशन अब यात्रियों के लिए एक नए रूप में नजर आएगा। 33.10 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत से इस स्टेशन का कायाकल्प किया जा रहा है।

'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत स्टेशन को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है ताकि यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा अनुभव मिल सके।

स्टेशन पर नया स्टेशन भवन और सेकंड एंट्री भवन, सर्कुलेटिंग एरिया, पार्किंग और एप्रोच रोड का विकास किया जा रहा है। साथ ही, दिव्यांगजन के लिए विशेष सुविधाएं, आर्ट एंड कल्चर से सजे क्षेत्र, तथा टाइलवर्क और आकर्षक प्लेटफॉर्म लुक इसे और भी सुंदर बनाएंगे। यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन पर 12 मीटर चौड़ा अत्याधुनिक फुट ओवर ब्रिज (FOB) भी बनाया जा रहा है, जिससे प्लेटफॉर्मों के बीच आवाजाही और आसान हो जाएगी। स्टेशन परिसर में 2200 वर्गमीटर अतिरिक्त प्लेटफॉर्म शेल्टर और 12120 वर्गमीटर प्लेटफॉर्म सुधार कार्य किया जा रहा है।

इस आधुनिक स्वरूप के साथ फतेहपुर स्टेशन न केवल यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाएगा, बल्कि यह शहर की पहचान को भी एक नया रूप देगा।

महिला क्रिकेट विश्व कप चैंपियन प्रतीका रावल, रेणुका सिंह ठाकुर और स्नेहा राणा ने रेल भवन में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की

केंद्रीय मंत्री ने भारतीय रेल के स्टार क्रिकेटरों की प्रेरणादायक यात्रा और खेल मैदान पर उत्कृष्टता के लिए प्रशंसा की

सूत्र/रे.स.ब्यू- हाल ही में संपन्न आईसीसी महिला विश्व कप 2025 में भारत के विजयी अभियान की तीन प्रमुख खिलाड़ियों - बल्लेबाज प्रतीका रावल, गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर और ऑलराउंडर स्नेहा राणा ने आज नई दिल्ली स्थित रेल भवन में केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। इन खिलाड़ियों ने देश को गौरवान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खेल के हर पहलू का प्रतिनिधित्व करने वाली ये तीनों खिलाड़ी भारतीय रेल की गौरवान्वित कर्मचारी हैं। केंद्रीय मंत्री ने भारत की ऐतिहासिक विश्व कप जीतने में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें बधाई दी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्हें विश्व कप विजेता चौंपियन से मिलकर खुशी हुई। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय महिला सितारों ने अपने पिछले वर्षों के सफर और मैदान पर बिताए अनुभवों की प्रेरक कहानियां साझा की।

दिल्ली की सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल का प्रतिनिधित्व करती हैं। प्रतीका अप्रैल 2023 में भारतीय रेल में शामिल हुई और हाल ही में उन्हें वरिष्ठ लिपिक के पद पर पदोन्नत किया गया। विश्व कप के शुरुआती दौर में चोट लगने के बावजूद, वह पूरे टूर्नामेंट में अपनी साथियों के लिए प्रेरणा और समर्थन का स्रोत बनी रहीं। अपनी संयमित बल्लेबाजी और सटीक पारी बनाने की क्षमता के लिए जानी जाने वाली प्रतीका रावल ने इसे खेल की गहरी समझ के साथ जोड़ा है। पिछले साल के अंत में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से, वह इस प्रारूप में भारत की सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों में से एक रही हैं।

हिमाचल प्रदेश की दाएं हाथ की मध्यम-तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर उत्तर रेलवे के अंबाला डिवीजन का प्रतिनिधित्व करती हैं। रेणुका दिसंबर 2020 में भारतीय रेल में शामिल हुई और तब से लगातार मैच-विजेता रही हैं। उन्होंने भारत की कई जीत में अहम भूमिका निभाई है। हाल ही में हुए विश्व कप के दौरान, उन्होंने तीन महत्वपूर्ण विकेट लेकर भारत के सफल अभियान में अहम भूमिका निभाई। टीम की ऐतिहासिक जीत के बाद, रेणुका का उनके गांववालों और स्थानीय अधिकारियों ने एक समारोह में गर्मजोशी से स्वागत किया, जिसमें भारत की पहली महिला विश्व कप जीतने में उनके योगदान का जश्न मनाया गया।

भारतीय रेल सामान्य परिवारों से खेल प्रतिभाओं को निरंतर पोषित कर रहा है और एथलीटों को वैश्विक मंच पर चमकने के लिए सशक्त बना रहा है

उत्तराखंड की ऑलराउंडर स्नेहा राणा उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल का प्रतिनिधित्व करती हैं। स्नेहा 2018 से भारतीय रेल से जुड़ी हुई हैं। अपनी दाएं हाथ की ऑफ-स्पिन और भरोसेमंद मध्यक्रम की बल्लेबाजी के लिए जानी जाने वाली स्नेहा ने टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में भारत के लिए अहम भूमिका निभाई थी। स्नेहा ने अपने विश्व कप अभियान का समापन छह मैचों में सात विकेट लेकर किया, जिसमें 2/32 का उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी शामिल है। उन्होंने बल्ले से भी बहुमूल्य योगदान दिया और 49.50 की प्रभावशाली औसत से 99 रन बनाए।

भारतीय रेल लंबे समय से भारत की खेल प्रतिभाओं को निखारने में एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। इसके खिलाड़ी ओलंपिक, विश्व चौंपियनशिप, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में देश का नाम रोशन करते रहे हैं। रेलवे के खिलाड़ियों ने अपनी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए अर्जुन पुरस्कार, पद्म श्री और मेजर ध्यानचंद खेल रत्न सहित कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान अर्जित किए हैं।

रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड के माध्यम से, भारतीय रेल विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं, रोजगार सुरक्षा और संस्थागत सहायता प्रदान करता है। यह साधारण परिवारों की प्रतिभाओं की पहचान करता है और उन्हें निखारता है तथा योग्य व्यक्तियों को खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है। स्थायी रोजगार, प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन और निरंतर प्रोत्साहन के साथ, भारतीय रेल एथलीटों को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए निरंतर सशक्त बना रहा है।

Secunderabad Railway Station is Being Redeveloped with Global Standards at a cost of Rs. 714.73 Crores - Shri G. Kishan Reddy, Hon'ble Union Minister

The redevelopment works are progressing at a fast pace and the project will be completed by December, 2026

Source/SCR - Shri G. Kishan Reddy, Hon'ble Minister of Coals and Mines, Govt of India inspected the progress of ongoing redevelopment works at Secunderabad Railway station on 10thNovember, 2025. He was accompanied by Shri Satya Prakash, Additional General Manager, South Central Railway; Dr. R. Gopalakrishnan, Divisional Railway Manager, Secunderabad Division; Shri Ranadheer Reddy, Chief Administrative Officer/Construction, SCR; Shri A. Sridhar, Chief Public Relations Officer, SCR and other senior officials.

The Hon'ble Minister visited the construction sites on both sides of the Station building and took a first-hand update on the progress of the developmental works. He also reviewed the safety measures being undertaken at the work sites.

Later, addressing the media personnel at the station, the Hon'ble Union Minister stated that Secunderabad Railway station was constructed during the British era and today it is one of the most important

stations in South India with a passenger footfall of 1.97 lakh per day and over 100 trains daily. To meet the needs of the modern day passengers, the station is being redeveloped with world-class passenger amenities and modern architecture at a cost of Rs. 714.73 crores, he stated. The Hon'ble Union Minister mentioned that the construction works have been taken up without causing interruption to signals, tracks or train services. He stated that despite the heavy rush of passengers during peak hours (around 23,000 passengers per hour), the redevelopment works are progressing at the fast pace without causing any inconvenience to the Rail users. He informed that the station is being redeveloped with global standards on par with airports and will be the centre of attraction in Hyderabad city.

Shri G. Kishan Reddy detailed on the salient features of the project viz., Double Storey Sky concourse on 3 Acres land with space for waiting hall with capacity to accommodate 3,000 passengers, along with cafeterias, restaurants, retail centres, recreational facilities; 26 lifts, 32 escalators and 2 travelators; 5000Kwp Solar plant; Advanced security systems, Sewage treatment plants with 5 lakh litres per day capacity; Rain water harvesting pits; Provision of Walkways connecting with Skyway of East & West Metro stations as well as bus stationetc., He informed that the works are being undertaken in a phased manner. He mentioned that the Multi-level car parking is expected to be completed this year, while the South Side block will be completed in the next 4 months. The works of North side building, platforms, cover over platforms is progressing swiftly, he said. The entire project is planned to be completed by December, 2026, he added.

The Hon'ble Minister said that the Station is being upgraded keeping in view the needs of the future and is expected to accommodate around 2.7 lakh passengers per day and 32,500 passenger per hour once the work is completed.

Further, G. Kishan Reddy stated that Telangana State has been allocated a budget of Rs. 5,337 crore for the financial year 2025-26. He mentioned that in the last 10 years, 346 new Rail lines, 487 kms of Doubling, tripling, quadrupling have been commissioned in Telangana. A record of 1959 track kms has been electrified in ten years and 100% electrification has been completed in Telangana, he added. Likewise, 293 RuBs, 43 RoBs, 49 FoBs have been constructed in 10 years. He stated that 96% works have been completed at the new Komaravelli Railway station. He also mentioned that the MMTS Phase – II works at Yadadri will commence soon.

The Hon'ble Union Minister informed that 40 Railway stations in Telangana are being redeveloped under the Amrit Bharat Station Scheme, out of which, Begumpet, Warangal and Karimnagar stations were recently inaugurated. He mentioned that Vande Bharat maintenance facilities are being established at Secunderabad and Kacheguda stations. He also informed that the 'Centre for excellence' is formed at IRISET/SC with an objective to fast-track development of Kavach and other modern signalling items. The Hon'ble Union Minister stated that the total cost of various ongoing Projects in Telangana State is – Rs. 42,219 crores.

Scanned with OKEN Scanner

Union Minister Sh. V. Somanna Flags Off Yesvantpur–Vasco Da Gama Express with New Stoppage at Shivani Station

Source/RSB- In a major boost to regional connectivity, Shri V. Somanna, Union Minister of State for the Ministry of Railways, flagged off Train No. 17309 Yesvantpur–Vasco Da Gama Express, marking the introduction of a new stoppage at Shivani Station.

Under the visionary leadership of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi, Indian Railways continues to expand its network, connecting people and places with enhanced convenience and improved accessibility.

The inauguration ceremony was attended by Hon'ble Member of Parliament Shri Kota Srinivas Poojary, along with senior leaders and railway officials, who lauded the initiative as a progressive step towards improving passenger amenities & fostering regional growth.

Benefits of the New Stoppage at Shivani Station

Enhanced Travel Convenience:
The new halt will greatly benefit businessmen, software professionals, students, and farmers from Shivani and surrounding areas, offering direct connectivity to key destinations such as Bengaluru, Davangere, Hubballi, and Vasco da Gama.

Regional Connectivity Boost:
Shivani Station will serve as a key transit hub in central Karnataka, linking nearby towns and villages and ensuring efficient, reliable, and affordable travel for the local population.

Socio-Economic Development:
Improved connectivity is expected to promote trade, tourism, and livelihood opportunities, contributing to the economic growth of the region.

Improved Access to Services:
The new stoppage will facilitate better access to education, healthcare, and essential public services, improving the overall quality of life for people across the Shivani region and neighboring areas.

Digi Locker Facility Now Available at Konkan Railway Stations

Source/KR- Konkan Railway has introduced a Digi Locker facility at Ratnagiri, Thivim, and Udupi stations, effective from 16th October 2025. This initiative is aimed at enhancing passenger convenience by providing a modern, secure and self-operated luggage storage solution.

Passengers can now conveniently and securely store their belongings through a modern QR-based digital payment system using UPI, credit or debit cards and other digital modes. The facility operates round the clock, ensuring ease of access and contributing to the vision of a digitally empowered public transport system under the Government of India's Digital India Movement.

Key Benefits & Features:

- **The self-operated Digi Locker facility is available round the clock, ensuring accessibility at all times.**
- **Passengers can make payments easily through UPI, credit cards, debit cards and other digital payment modes.**
- **The service offers passengers a secure, efficient and hassle-free option to store their belongings, contributing to the Digitizing India movement in public transport infrastructure.**

BCPL Railway emerges as the sole qualified bidder for ₹ 135.3 million rail infrastructure contract

Source/RSB- BCPL Railway Infrastructure Limited has been declared the only qualified bidder by Bi-RIDE for an infrastructure project worth ₹135.30 million, inclusive of GST. The awarded work involves shifting or upgrading eight switching stations located along Corridor-1 and Corridor-4 of the Bengaluru Suburban Rail Project. According to the tender terms, the project is planned to be executed over a 24-month period. This selection marks a key step in moving forward with crucial electrical and signalling modifications required for the suburban rail network's development.

Karnataka recommends renaming four key railway stations after notable saints

Source/RSB- Karnataka minister Sh. MB Patil has announced that the state government has formally submitted a request to the Union Home Ministry seeking approval to rename four major railway stations-Vijayapura, Belagavi, Bidar and Shivamogga after revered saints associated with the region's spiritual heritage.

Sh. Patil explained that the proposal is meant to highlight and preserve the cultural and religious significance these figures hold for local communities. He also urged the Centre to clear the request at the earliest so the updated station names can be officially notified through the government gazette. According to the minister, the renaming initiative is intended to reflect the state's historical identity and honour traditions that continue to shape public sentiment.

Mizoram's tourism surges after opening of Bairabi–Sairang rail line

Source/RSB- Description: Tourism Minister Sh. Lalnghinglova Hmar has reported a significant rise in visitor footfall in Mizoram following the launch of the Bairabi–Sairang railway line. The improved connectivity has made access to the state much smoother, encouraging more travellers to visit in recent months. Between August and September alone, Mizoram welcomed over 1.27 lakh tourists, among them 2,208 foreign visitors. Officials note that the steady inflow of travellers is already benefiting local communities, as easier travel has boosted economic activity tied to tourism. The minister highlighted that the new rail link has played a central role in this surge, marking an important step forward for the state's transport network and its growing appeal as a destination.

Cosmic CRF secures ₹583.19 lakh in fresh railway wagon component orders

Source/RSB- Cosmic CRF Limited has landed four new domestic orders amounting to a combined ₹583.19 lakh, further strengthening its position in India's wagon-component manufacturing sector. The contracts-valued at ₹304.06 lakh, ₹91.48 lakh, ₹125.10 lakh and ₹62.55 lakh - cover the supply of components for BOXNHL, BOXNS & BCFM1 wagons.

The company expects to complete the assigned projects within the next two to five months. As part of the order schedule, 61 BOXNHL component sets are planned for delivery within a three-month timeframe. Cosmic CRF noted that these orders add momentum to its ongoing production pipeline and reinforce its role as a key supplier in the railway manufacturing supply chain

REDEVELOPMENT OF TAMLUK STATION UNDER AMRIT BHARAT STATION SCHEME - A NEW ERA FOR INDIAN RAIL INFRASTRUCTURE

Source/SER- The Amrit Bharat Station Scheme signifies a concerted effort by Indian Railways to modernize its infrastructure in order to elevate the travel experience for millions of passengers.

The Amrit Bharat Station Scheme is a long-term plan by Indian Railways to modernize its infrastructure and improve the travel experience for millions of passengers. This scheme involves the step-by-step improvement of railway stations across India.

Under this scheme, 72 stations of the South Eastern Railway will be developed. Detailed, phased plans are made for each station based on its specific requirements, aiming to make stations cleaner, more comfortable, and easier to use.

Tamluk station in the East Midnapur District of West Bengal, which is a vital point for passenger and freight transportation on the Panskura-Digha branch line, is currently undergoing a massive transformation under the Amrit Bharat Station Scheme. The redevelopment of Tamluk Station, which is part of the Kharagpur Division, will provide improved passenger amenities and better connectivity to tourist destinations like Kanthi and Digha.

Upgraded facilities at Tamluk Stations include:

- *Renovation of the Station Building, Waiting Room, Toilet, and circulating area.*
- *Construction of a Foot Over Bridge and a New parking area.*
- *Installation of Two New Lifts.*
- *Improved platform shelter and platform surface, along with new platform seating arrangements.*
- *Provision of a New Facade & Porch and a Water Booth.*
- *Inclusion of Divyangjan facilities such as a dedicated Toilet, Drinking Water Booth, Booking Counter, Ramp, and Parking.*
- *Installation of Tactile and Braille Signs.*
- *New entry & exit Gates and a Baby Feeding Room.*
- *The station will be painted with themes reflecting local Art & Culture.*

Scanned with OKEN Scanner

Centre approves Ferozepur–Patti railway line project in Punjab

Source/RSB-Following the recent approval of the Rajpura – Mohali railway link, the Railway Ministry has given the go-ahead for another key project a 25.72 km line between Ferozepur and Patti. The initiative has been sanctioned at a cost of ₹764 crore, of which ₹165 crore is set aside for land acquisition. Officials confirmed that Punjab's Chief Secretary has been informed and instructed to begin the land acquisition process, moving the project into its next phase.

Railways to roll out major coaching hubs in 20 high-traffic cities

Source/RSB-To better manage the sharp rise in passenger traffic during busy travel periods, the Ministry of Railways is moving ahead with a major plan to develop large coaching terminals across 20 high-demand cities, including Delhi, Mumbai, Chennai, Kolkata and Ahmedabad. These new facilities are intended to ease pressure on existing stations and improve the overall flow of trains in heavily congested zones.

A key part of this initiative is the upgrade of the Vatva terminal in Ahmedabad. The terminal is set to get 10 additional pit lines, a change that will significantly boost its operational capacity by increasing the number of trains originating there from roughly 45 to nearly 150. Along with this, the project also includes the construction of three extra platforms and enhancements to internal connectivity, allowing the terminal to handle departures and arrivals more efficiently. Overall, the expansion aims to create smoother operations and support the growing demand for rail travel in some of the country's busiest corridors.

Pune–Nagpur Vande Bharat earns ₹2.63 crore in just 11 days

Source/RSB- The Pune–Ajni (Nagpur) Vande Bharat Express has emerged as the standout performer on Pune routes after registering impressive numbers between October 17 and 28. During this period, the service recorded a remarkable 145% occupancy, transporting 14,387 passengers. This strong festive-season demand translated into ₹2.63 crore in revenue, placing it at the top among Pune's Vande Bharat operations. Railway officials attribute its success to consistent punctuality, enhanced onboard comfort, and its high-speed capability, all of which have driven more travellers toward the service. The train's performance not only surpassed other regional routes but also reinforced Indian Railways' growing appeal in premium travel.

विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा काशी तमिल संगम 4.0 के दौरान सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण निम्नवत् है:-

(1) गाड़ी सं. 06001/06002 कन्याकुमारी-बनारस एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी

06001 कन्याकुमारी-बनारस			06002 बनारस-कन्याकुमारी	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	11:45	कन्याकुमारी	11:30	--
16:00	16:02	मानिकपुर	06:23	06:25
17:40	17:50	प्रयागराज छिवकी	02:45	02:55
23:15	--	बनारस	--	23:00

कन्याकुमारी से- गाड़ी सं. **06001** (शनिवार), दिनांक- **29.11.2025** तथा **बनारस से-** गाड़ी सं. **06002** (शुक्रवार) दिनांक- **05.12.2025** **संरचनाः** वाता. तृतीय श्रेणी-10, इकोनोमी कोच-02, स्लीपर श्रेणी-06

(2) गाड़ी सं. 06003/06004 चेन्नई सेंट्रल-बनारस एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी

06003 चेन्नई सेंट्रल-बनारस			06004 बनारस-चेन्नई सेंट्रल	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	04:15	चेन्नई सेंट्रल	23:30	--
16:00	16:02	मानिकपुर	06:23	06:25
17:40	17:50	प्रयागराज छिवकी	02:45	02:55
23:15	--	बनारस	--	23:00

चेन्नई सेंट्रल से- गाड़ी सं. **06003** (मंगलवार), दिनांक- **02.12.2025** तथा **बनारस से-** गाड़ी सं. **06004** (रविवार), दिनांक- **07.12.2025** **संरचनाः** वाता. तृतीय श्रेणी-10, इकोनोमी कोच-02, स्लीपर श्रेणी-06

(3) गाड़ी सं. 06005/06006 कोयम्बत्तूर-बनारस एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी

06005 कोयम्बत्तूर-बनारस			06006 बनारस-कोयम्बत्तूर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	18:00	कोयम्बत्तूर	08:30	--
16:00	16:02	मानिकपुर	06:23	06:25
17:40	17:50	प्रयागराज छिवकी	02:45	02:55
23:15	--	बनारस	--	23:00

कोयम्बत्तूर से- गाड़ी सं. **06005** (बुधवार), दिनांक- **03.12.2025** तथा **बनारस से-** गाड़ी सं. **06006** (मंगलवार), दिनांक- **09.12.2025** **संरचनाः** वाता. तृतीय श्रेणी-10, इकोनोमी कोच-02, स्लीपर श्रेणी-06

(4) गाड़ी सं. 06007/06008 चेन्नई सेंट्रल-बनारस एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी

06007 चेन्नई सेंट्रल-बनारस			06008 बनारस-चेन्नई सेंट्रल	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	04:15	चेन्नई सेंट्रल	23:30	--
16:00	16:02	मानिकपुर	06:23	06:25
17:40	17:50	प्रयागराज छिवकी	02:45	02:55
23:15	--	बनारस	--	23:00

चेन्नई सेंट्रल से- गाड़ी सं. **06007** (शनिवार), दिनांक- **06.12.2025** तथा **बनारस से-** गाड़ी सं. **06008** (गुरूवार), दिनांक- **11.12.2025** **संरचनाः** वाता. तृतीय श्रेणी-10, इकोनोमी कोच-02, स्लीपर श्रेणी-06

उत्तर मध्य रेलवे
गतिशीलता ही हमारी पहचान
2209/25 FA
@CPRONCR | North central railways | cproncrly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

Scanned with OKEN Scanner